गोविंद बल्लभ पंत

चर्चा में क्यों?

[मुख्यमंत्री](#) योगी आदित्यनाथ ने 10 सितंबर 2025 को [भारत रत्न पंडित गोविंद बल्लभ पंत](#) की 138वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए **स्वतंत्रता के बाद** उत्तर प्रदेश के विकास में उनके अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया।

मुख्य बिंदु

गोविंद बल्लभ पंत के बारे में:

- **प्रारंभिक जीवन:** उत्तराखंड के अल्मोड़ा में जन्मे पंत गोपाल कृष्ण गोखले और **मदन मोहन मालवीय से प्रेरित थे।**
- **स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका:** इनकी नमक मार्च (1930) और **सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930)** तथा भारत छोड़ो आंदोलन (1942) में सक्रिय भागीदार रही।
- **राजनीतिक यात्रा:** संविधान सभा के सदस्य बने और भारतीय संविधान के निर्माण में योगदान दिया।
  - **उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री** के रूप में जी.बी. पंत ने जमींदारी उन्मूलन की दिशा में कार्य करने के साथ आधुनिकीकरण पर बल दिया।
  - जी.बी. पंत को वर्ष 1955 में **जवाहरलाल नेहरू** ने **केंद्रीय गृह मंत्री** नियुक्त किया था और उन्होंने **हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषाओं** में से एक के रूप में स्थापित करने में प्रमुख भूमिका निभाई थी।
- **सम्मान और विरासत: वर्ष 1957** में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। उनकी राजनीतिक विरासत में चौधरी चरण सिंह जैसे **यूपी के नेताओं का मार्गदर्शन** शामिल है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/govind-ballabh-pant-3